भारत का सबसे तेज बढ़ता अख़बार

दैनिक भास्कर

वर्ष 6 अंक 175 । महानगर

मूल्य 2.50 रु. । कुल पेज 12+8+4=24

नागपुर, मंगलवार 3 जून 2008 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- अमावस्या, 2065

शहर के युवा ने खोली एम-गवर्नेंस की राह

'स्वाशिकार' कार्यक्रम विकसित किया अभय मुरारका ने

मुख्य संवाददाता. नागपुर.
शहर के एक होनहार युवा ने एक ऐसा मोबाइल कार्यक्रम विकसित किया है जिसे यदि बड़े पैमाने पर उपयोग में लाया जाए तो ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल सकती है। बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस पिलानी से मास्टर ऑफ कम्प्यूटर कर रहे अभय मोरारका ने छोटी उम्र में ही यह काम कर दिखाया है जिसे विरले ही कर पाते हैं। अभय के द्वारा विकसित किए गए मोबाइल कार्यक्रम का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि कम्प्यूटर व इंटरनेट कनेक्शन अभी भी ग्रामीण क्षेत्र के लिए दूर की कौड़ी है। जबकि सर्वसुलभ सस्ते मोबाइल से महज एक एसएमएस कर इस कार्यक्रम के जरिये न केवल आपात स्थिति में राहत पाई जा सकती है वरन शिक्षा व अधिकार जैसे विषयों पर गांवों में एक नई लहर पैदा हो सकती है। श्री मोरारका ने अपने इस कार्यक्रम को नाम दिया है 'स्वाशिकार' यानी स्वास्थ्य शिक्षा और अधिकार। अभय मोरारका शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी भागीरथ मोरारका के पुत्र हैं।

क्या है स्वाशिकार

अभय मोरारका बताते हैं कि स्वाशिकार को ग्रामीण क्षेत्र की तीन प्रमुख जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। इसमें पहले है टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा जो गांवों में आज भी बड़ी चुनौती है। दूसरा है सरल शिक्षा। इसमें दर्जा एक से लेकर निरक्षर वृद्ध तक को न केवल साक्षर बनाने वरन रोजमर्रा की जरूरत के मुताबिक गणित का ज्ञान कराने की व्यवस्था है। इसके बाद आता है अधिकार यानी एम-गवर्नेंस। इसमें गांव व जिला प्रशासन के बीच के तमाम माध्यमों को समाप्त करने की क्षमता है। यानी एसएमएस के जरिये नागरिकों के हर तरह के आवेदन जिला प्रशासन के पास सीधे पहुंचेंगे।

कैसे काम करता है

स्वाशिकार को वजूद में आने के लिए महज एक मोबाइल सैट की दरकार होती है। एप्लीकेशन में पहुंचते ही चार फंक्शन दिखाई पड़ते हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकार ...शेष पृष्ठ 16 पर

शहर के युवा ने ...

और हेल्प। अब मान लीजिए गांव में किसी महिला की प्रसव के बाद हालत गंभीर हो गई तो स्वास्थ्य में जाकर उस महिला का रक्तग्रुप, ब्लडप्रेशर आदि दर्ज करना होगा। मोबाइल में प्रारूप अपने आप आएगा। जिसे नजदीकी सीएचसी या जिला अस्पताल को एसएमएस करना होगा। वहां मैसेज पहुंचते ही तत्काल राहत मिलेगी। इसी तरह शिक्षा फंक्शन ओपन करते ही दो माड्यूल स्क्रीन पर आते हैं। सीखें प्रारंभिक गणित और सीखें प्राथमिक अंग्रेजी। आप गणित में प्रवेश करते हैं तो वहां सरल प्रयोगों से आपको गणित सिखाने का इंतजाम है। जैसे शहर जाने से पहले गंजू ने चौधरी साहब से 250 जानवर लिए। चौधरी साहब ने 24 जानवर छोड़ बाकी लौटाने को कहा तो गंजू ने कितने जानवर लौटाए। इसका जवाब भी तीन विकल्पों में दिया गया है। यानी खेल-खेल में गणित की शिक्षा। अधिकार का मॉड्यूल स्वाशिकार को और अधिक अर्थवान बनाता है। इसमें ग्रामीणों की शिकायतों या विभिन्न आवेदनों को बीच की बाबूगिरी से निकाल सीधे जिलास्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था है। जैसे काटोल के मनोज गर्ग को हैण्डपंप न सुधरने की शिकायत करनी है तो वे मॉड्यूल में जाकर अपना नाम, गांव का नाम टाइप करेंगे व समस्या लिखेंगे। उनका यह एसएमएस सीधे कलेक्टर कार्यालय के कम्प्यूटर नेटवर्क में जाएगा और कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके द्वारा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी भी मांगी जा सकती है। अभी इस कार्यक्रम को रिलायंस के फोन में प्रायोगिक तौर पर लोड किया गया है, पर इसका उपयोग किसी भी मोबाइल में किया जा सकता है।